Dr. RANJEET KUMAR

Dept. of History

H.D.Jain College, Ara.

B. A., Semester -4, Unit-5, (MJC-4)

गौरव क्रांति से अन्य यूरोपीय देशों पर प्रभाव

इंग्लैंड की गौरवपूर्ण क्रांति (1688) का प्रभाव केवल ब्रिटिश द्वीपों तक सीमित नहीं था। इसने पूरे यूरोप की राजनीतिक चेतना, कूटनीतिक समीकरणों और दार्शनिक सोच को गहराई से प्रभावित किया। उस समय यूरोप में 'निरंकुश राजतंत्र' (Absolute Monarchy) का बोलबाला था, और इस क्रांति ने उस व्यवस्था को पहली चुनौती दी थी।

यूरोप के अन्य देशों पर इसके प्रभावों का विवरण निम्नलिखित है:
1. फ्रांस पर प्रभाव: शक्ति संतुलन में बदलाव
फ्रांस का राजा लुई चौदहवाँ (Louis XIV) उस समय यूरोप का सबसे शक्तिशाली निरंकुश शासक था। वह जेम्स द्वितीय का मित्र और समर्थक था।

- सैन्य और राजनीतिक चुनौती: क्रांति के बाद, इंग्लैंड और हॉलैंड (विलियम ऑफ ऑरेंज के नेतृत्व में) एक हो गए। इसने फ्रांस के प्रभुत्व को चुनौती दी। इंग्लैंड अब फ्रांस के विरुद्ध यूरोपीय गठबंधनों का नेतृत्व करने लगा।
- वैचारिक प्रेरणा: फ्रांसीसी दार्शनिकों (जैसे वोल्टेयर और मोंटेस्क्यू) ने इंग्लैंड की संवैधानिक व्यवस्था की प्रशंसा की। आगे चलकर यही विचार 1789 की फ्रांसीसी क्रांति का आधार बने।

2. हॉलैंड (डच गणराज्य) के साथ संबंध
विलियम ऑफ ऑरेंज मूलतः हॉलैंड का 'स्टैडहोल्डर' (शासक) था।

- स्थायी मित्रता: इस क्रांति ने इंग्लैंड और हॉलैंड के बीच लंबे समय से चले आ रहे व्यापारिक युद्धों को समाप्त कर दिया।
- सुरक्षा: हॉलैंड को फ्रांस के आक्रमणों से बचने के लिए इंग्लैंड की नौसेना और संसाधनों का साथ मिल गया।

3. यूरोपीय शक्ति संतुलन (Balance of Power)
क्रांति से पहले, इंग्लैंड अक्सर विदेशी मामलों में तटस्थ रहता था या फ्रांस के साथ सहानुभूति रखता था।

- इंग्लैंड का सक्रिय उदय: क्रांति के बाद इंग्लैंड 'यूरोपीय राजनीति का मध्यस्थ' बन गया। विलियम ने फ्रांस के विस्तारवाद को रोकने के लिए 'ग्रैंड अलायंस' (Grand Alliance) बनाया, जिसमें ऑस्ट्रिया और स्पेन जैसे देश भी शामिल हुए।

4. संवैधानिक और लोकतांत्रिक विचारधारा का प्रसार
यूरोप के कई हिस्सों में जहाँ राजा अपनी इच्छा को ही कानून मानते थे, इंग्लैंड एक 'मॉडल' के रूप में उभरा।

- निरंकुशता पर प्रहार: इस घटना ने साबित कर दिया कि एक अत्याचारी शासक को बिना रक्तपात के हटाया जा सकता है। इससे यूरोप के अन्य उदारवादी आंदोलनों को बल मिला।
- जॉन लॉक के विचारों का प्रभाव: अंग्रेज दार्शनिक जॉन लॉक की रचनाएँ पूरे यूरोप में पढ़ी गईं, जिन्होंने 'प्राकृतिक अधिकार' और 'जनता की सहमति' पर जोर दिया।

5. धार्मिक प्रभाव
यूरोप उस समय कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट खेमों में बंटा हुआ था।

- प्रोटेस्टेंट शक्ति की रक्षा: इस क्रांति ने यूरोप में प्रोटेस्टेंट धर्म की रक्षा की। यदि जेम्स द्वितीय सफल हो जाता, तो यूरोप में कैथोलिक काउंटर-रिफॉर्मेशन को बड़ी जीत मिलती।
- धार्मिक सहिष्णुता की ओर झुकाव: इंग्लैंड के 'टोलरेशन एक्ट' ने यूरोप के अन्य राजाओं को भी यह सोचने पर मजबूर किया कि धार्मिक विविधता के साथ भी राज्य को स्थिरता से चलाया जा सकता है।
-

मुख्य प्रभाव: क्षेत्र और प्रभाव की प्रकृति

फ्रांस:- लुई चौदहवें की शक्ति को चुनौती और फ्रांसीसी क्रांति के लिए वैचारिक आधार।

जर्मनी/ऑस्ट्रिया:- फ्रांस के खिलाफ इंग्लैंड के साथ नए सैन्य गठबंधन।

आर्थिक:- लंदन का एक वैश्विक वित्तीय केंद्र (Bank of England की स्थापना के बाद) के रूप में उदय।

बौद्धिक:- उदारवाद (Liberalism) और संवैधानिक शासन की शुरुआत।

निष्कर्ष
इंग्लैंड की गौरवपूर्ण क्रांति ने यूरोप को यह संदेश दिया कि राजशाही को कानून के दायरे में लाया जा सकता है। इसने फ्रांस के वर्चस्व को रोककर यूरोप में एक 'शक्ति संतुलन' स्थापित किया और आने वाली शताब्दियों के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों की बीज बोई।
क्या आप चाहते हैं कि मैं इस क्रांति का अमेरिका (अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम) पर पड़े विशेष प्रभावों के बारे में विस्तार से बताऊं?